धोरा वाली धरती नखत बना काली नागिन डोले रे

धोरा वाली धरती नखत बना,
काली नागिन डोले रे।

दोहा -धिन धुणो धीन धाम ने,
धिन धिन कलीया नाडी री पाल,
धिन नाम नखतेश रो,
म्हारा पुर्ण करजो काम।

धोरा वाली धरती नखत बना,
काली नागिन डोले रे,
बोझा मे खरङावे नुगरी बाँडकी,
नखत बनाने ध्यावे जारा,
संकट कोनी रेवे ओ,
धोरा री धरती रा साचा देवता।bd।

ऑडी चाले टेडी चाले,
टेढ़ा डँक लगावे औ,
जहर तो फेलावे सारे डिल मे।bd।

बिछुड़ा रा खादौड़ा,
उबुङा अरङावे जी,
सर्पा रा खादौड़ा सेदँ आवसी।bd।

दिन दिन हाली हलिया बावे,
सांझ पङीया घर आवे ओ,
सुता ने पि जावे पेणा नागङा।bd।

पेणा रा पियोङा,
सिद्धा सुताही रे जावे ओ,
सँदे नखत हेलो मारसी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दोय कर जोङ खिवजी,
माकङ गावे ओ,
बचन निभाई सिद्ध म्हारा पेलङा।bd।

धोरां वाली धरती नखत बना,
काली नागिन डोले रे,
बोझा मे खरङावे नुगरी बाँडकी,
नखत बनाने ध्यावे जारा,
संकट कोनी रेवे ओ,
धोरा री धरती रा साचा देवता।bd।

प्रेषक – जयप्रकाश सिँवर।
9602812689

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com